

## SEOME .XCII.

IL | FET | BON | se | le | brer | son | s̄ | ve | rein | Si | ner.  
 Ô | Tr̄- h̄ōt i | me | plēt an | to | n o | ner | t̄j̄rs  
 Chan | té, | soët | le | ma | tin | sur | le | s̄ | le | le | vant,  
 Soët | kand | l'on | bre | du | soët | re | viént.  
 5 T̄j̄rs | t̄- | v̄e | ri | té | s an | pléne | nuit | di | re,  
 T̄- | bon | té | s | le | ma | tin | par | t̄t | a | non | se | ré :  
 Lé- | kr̄i | ré | de | la | vœs, | les | so | ne | ré | de | jes  
 D'e | pi | né | te | vi | o | l' | e | lut.  
 Ô | Sér | ner, | tu | me | m̄s | an | t̄d | i | vin | s̄ | las  
 10 Kon | tan | plant | ke | tu | f̄s | e | vre | z | s' | é | ba | ir !  
 Kand | d̄- | f̄s | de | ta | mé | n | un | s̄ | ve | nir | jō | iés  
 An | plé | zir | me | ra | v̄it | le | ker.  
 Sér | ner, | ó | ko | me | kran | s, | ó | ko | me | sont | pro | fons  
 T̄- | h̄o- | f̄s | e | d̄ | séins | trop | nu | bi | l̄ | s | a | vœr !  
 15 T̄l | kon | sét | ni | dū | soët | on | ke | ne | fut | ko | nu,  
 Ni | du | f̄s | ne | fu | t | on | ke | su.  
 Kand | lon | vœt | le | mé | chant | an | sa | vi | ker | flor | rir,  
 Éin | sin | k'er | be | ki | êt | vœr | de | de | sus | le | pré,  
 Krœ | san | t | a | se | k'a | près | tun | be | de | s̄s | la | f̄o :  
 20 Éin | sin | chet | le | mé | chant | fe | né.  
 Lé- | p̄r | v̄s | a | la | fin | son | t | a | ja | m̄s | d̄ | truis,  
 P̄r | ne | plus | re | le | v̄r | sont | d̄ | je | té | s | a | plat :  
 Toë | tr̄- | h̄ōt | a | ja | m̄s | san- | va | ri | ér | n̄i | chœr,  
 T̄j̄rs | m̄e | me | tu | es, | Si | ner.  
 25 Vœ | s̄i | té | z | a | ne | mis | t̄s | ru | n̄e | s | e | moors :  
 Vœ | s̄i | té | z | a | ne | mi | s (Ô | s̄ | ve | rein) | d̄ | f̄s.  
 Lé- | p̄r | v̄s | de | v̄ | iés | pron | s | a | mé | chan | se | té,  
 E | kar | té | s | p̄e | ri | ront | du | t̄t.  
 San | bla | bl' | a | l'a | ni | mal, | k̄i | le | ve | sur | le | chœf  
 30 Un | lon | bro | k | a | ta | chœ, | br̄ | ve | je | poor | te | r̄  
 Mon | front | h̄ōt | e | le | v̄, | mœ | ki | se | r̄ | ka | tard  
 D'un | fr̄s | b̄o | m' | o | do | rant | la | v̄.

La | van|jan|se|mō|n e|t ê|ze|re|kar|de|ra|  
Dę- | pę|r vęs| ki| s'e|tő̄t| kon|tre|mōę| ē|le|vęs :|  
Mę|z o|rę|le|z a|lōrs| sur|tš|me|z an|ne|mis|  
Or ront| mon| de|zi|r ā|ve|nu.|  
Un| bon, | tęl| ke| la| pal|m' an|sa|vi|ke|r, | flo|r̄t :|  
Tęl| k'ò| mont| de|Li|ba|n un|sē|dr', | i| pøs|se|ra.|  
Plan|tés| dñé-| le|Si|njer| vę|r|dõi|ě|ront|tš|jørs,|  
Prins| dan| l'ē|tre| de|nō|tre| Die.|  
An| vię|tęs| se| ro|bus|t' an|ko|re|ję|mę|ront,|  
Foors, | dis|pøs, | vi|jk|r̄s :| Pyr| pū|bli|ér| ko|mant|  
An| tie|r|êt| le|Si|njer, | ē| ke|ma|r̄o|ch'|i|l|êt :|  
K'an| lui| n'êt| nu|le|lā|he|te.|